SET-3

Series BVM/5

कोड नं.
Code No. **2/5/3**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*
Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं । प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं – क, ख, ग ।*

(ii) *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(iii) *विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर क्रमशः लिखें ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *12*

यह देश सहज ही आध्यात्मिक है और गांधीजी गहरे अर्थों में आध्यात्मिक थे । एक महान भारतीय आत्मा कैसी हो सकती है, उसके प्रमाण हैं, गांधीजी । वे देश को आज़ाद कराना चाहते थे । आज़ादी भी वे ठीक-ठाक तौर-तरीकों से चाहते थे । उन्हें देश के आखिरी आदमी तक की चिंता सताती थी । उनके लिए साधन और साध्य की पवित्रता के बिना जीने का कोई अर्थ नहीं था ।

आज़ादी के आसपास महात्मा जब भी दिल्ली में होते थे, तो यहीं प्रार्थना सभा करते थे । वह एक अर्थ में सर्वधर्म-प्रार्थना सभा होती थी । प्रार्थना सभा के बाद उनका प्रवचन होता था । इन प्रवचनों में गांधीजी अपने दिल की बात किया करते थे । वे सप्ताह में एक दिन सोमवार को मौन रखते थे । उस दिन उनकी बात लिखकर होती थी । उसे कोई और पढ़कर सुनाता था । वह दौर था, जब शाम के पाँच बजे ऐसा लगता था, मानों मंदिर में आरती का समय हो । अपने महात्मा के साथ प्रार्थना करने और उन्हें सुनने के लिए अच्छे-खासे लोग जुटते थे ।

गांधीजी अकसर कहते थे कि प्रार्थना झाड़ू की तरह है जिसका अर्थ है हमारी आत्मा की शुद्धि । वे लगातार अपने को सुधारते रहे । लोगों को सुधारने के लिए ज़ोर देते रहे । शायद इसीलिए उनके लिए आज़ादी का आंदोलन गुलाम देश की जकड़न को खत्म करने का नहीं था । अपने में तमाम सुधारों का आंदोलन था, ताकि हम अच्छे आदमी बन सकें और एक अच्छा समाज बना सकें ।

आज़ादी के साथ आए बँटवारे के संकट ने उन्हें झकझोर दिया था । उनकी प्रार्थना सभा में उसका प्रभाव दिख ही जाता था । वे प्राय: कहते थे, 'मैं रोज आशा करता हूँ और प्रार्थना करता हूँ कि ये हिंसा समाप्त हो । मैं नए हिन्दुस्तान के लिए प्रार्थना करता हूँ' ।

(क) गांधीजी को महान भारतीय आत्मा क्यों कहा गया है ? *2*

(ख) गांधीजी की प्रार्थना सभा को 'सर्वधर्म प्रार्थना सभा' क्यों कहा गया ? स्पष्ट कीजिए । *2*

(ग) गांधीजी प्रार्थना सभा के बाद प्रवचन क्यों करते थे ? *2*

(घ) गांधीजी का आंदोलन अपने आप में सुधारों का आंदोलन था – कैसे ? *2*

(ङ) गांधीजी को किस घटना ने झकझोर दिया और क्यों ? *2*

(च) गद्यांश में प्रार्थना की तुलना किससे की गई है ? *1*

(छ) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए । *1*

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *1×4=4*

थकी दुपहरी में पीपल पर,
काग बोलता शून्य स्वरों में
फूल आख़िरी में बसंत के
गिरे ग्रीष्म के ऊष्म करों में
धीवर का सूना स्वर उठता
तपी रेत के दूर तटों पर
हल्की-गरम हवा रेतीली
झुक चलती सूने पेड़ों पर ।

अब अशोक के भी थाली में
ढेर-ढेर पत्ते उड़ते हैं,
ठिठका नभ डूबा है रज में
धूल भरी नंगी सड़कों पर ।
वन खेतों पर है सूनापन,
खालीपन नि:शब्द धरों में
थकी दुपहरी में पीपल पर
काग बोलता शून्य स्वरों में ।
यह जीवन का एकाकीपन –
गरमी के सुनसान दिनों सा,
अन्तहीन दुपहरी डूबा
मन निश्चल है शुष्क वनों सा ।

(क) गरमी की दोपहर में कौवे का बोलना भी शून्य स्वर क्यों लगता है ?

(ख) ग्रीष्म की दोपहरी में प्रकृति की दो विशेषताएँ काव्यांश के आधार पर लिखिए ।

(ग) जीवन की तुलना गरमी के दिनों से क्यों की गई है ?

(घ) 'मन निश्चल है शुष्क वनों सा' – पंक्ति का भाव लिखिए ।

अथवा

जो हवा में है, लहर में है
क्यों नहीं वह बात
मुझमें है ?
शाम कंधों पर लिए अपने
ज़िंदगी के रू-ब-रू चलना
रोशनी का हमसफर होना
उम्र की कन्दील का जलना
आग जो
जलते सफर में है
क्यों नहीं वह बात
मुझमें है ?
एक नन्हीं जान चिड़िया का
डाल से उड़कर हवा होना
सात रंगों के लिए दुनिया
वापसी में नींद भर सोना
जो खुला आकाश स्वर में है
क्यों नहीं वह बात
मुझमें है ?

(क) कन्दील से किसकी तुलना की गई है और क्यों ?

(ख) कवि हवा और लहर का कैसा स्वभाव अपने आप में नहीं पाता ?

(ग) 'एक नन्हीं जान चिड़िया का
डाल से उड़कर हवा होना' – पंक्ति का आशय बताइए ।

(घ) कवि को अपने जीवन में क्या-क्या अभाव प्रतीत हो रहे हैं ?

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर अनुच्छेद लिखिए : *5*

(क) जैसी मेरी हिन्दी, वैसी उनकी तमिल

(ख) इंटरनेट की अपरिहार्यता

(ग) भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियाँ

(घ) भारतीय खेल

4. बस से उतरते समय चालक ने पर्याप्त समय नहीं दिया और पूरा सामान उतारने से पूर्व ही बस चला दी, आपके कुछ ज़रूरी कागज़ात बस में छूट गए हैं । नगर बस सेवा के प्रबंधक को विवरण देते हुए तुरंत कार्यवाही करने और बस में छूटे सामान को उपलब्ध कराने हेतु पत्र लिखिए । *5*

अथवा

अपने मोहल्ले में वर्षा के कारण उत्पन्न जल भराव की समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए शीघ्र समाधान हेतु नगर पालिका के अधिकारी को पत्र लिखिए ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $1\times4=4$

(क) हिन्दी समाचार-पत्रों की भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए ।

(ख) बीट रिपोर्टिंग का क्या आशय है ?

(ग) समाचार शब्द को परिभाषित कीजिए ।

(घ) मुद्रित माध्यम के चार उदाहरण लिखिए ।

(ङ) पी.सी. जोशी समिति ने दूरदर्शन के जो उद्देश्य निर्धारित किए थे उनमें से किन्हीं चार का उल्लेख कीजिए ।

6. 'इंटरनेट का बढ़ता चलन' विषय पर एक आलेख तैयार कीजिए । *3*

अथवा

हाल ही में पढ़ी किसी खेल पुस्तक की समीक्षा लिखिए ।

7. 'मेरे शहर में प्रदूषण की समस्या' विषय पर एक फ़ीचर तैयार कीजिए । *3*

अथवा

'स्वच्छ भारत अभियान के बाद रेलों में आया परिवर्तन' विषय पर एक फ़ीचर लिखिए ।

खण्ड ग

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×3=6*

खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि,
बनिक को बनिज, न चाकर को चाकरी ।
जीविका बिहीन लोग सीद्यमान सोच बस,
कहैं एक-एकन सों कहाँ जाई, का करी ?
बेदहूँ पुरान कही, लोकहूँ बिलोकिअत,
साँकरे सबैं पै, राम ! रावरें कृपा करी ।

(क) कवि के समय में बेरोज़गारी के विविध स्वरूपों का उल्लेख कीजिए ।
(ख) कवि राम की कृपा क्यों चाहता है ?
(ग) भाव स्पष्ट कीजिए :
‘कहैं एक-एकन सों कहाँ जाई, का करी ?’

अथवा

झूमने लगे फल,
रस अलौकिक,
अमृत धाराएँ फूटतीं
रोपाई क्षण की,
कटाई अनंतता की
लुटते रहने से जरा भी नहीं कम होती ।
रस का अक्षय पात्र सदा का
छोटा मेरा खेत चौकोना ।

(क) अच्छा साहित्य समय की सीमाओं को पार कर जाता है – कैसे ?
(ख) कवि ने चौकोने खेत को क्या कहा है और क्यों ?
(ग) ‘रोपाई क्षण की,
कटाई अनंतता की’ – का भाव स्पष्ट कीजिए ।

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2+2=4*

स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने
नील जल में या किसी की
गौर झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो ।

(क) काव्यांश का भाव-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।
(ख) काव्यांश के शिल्प-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

बात ने, जो एक शरारती बच्चे की तरह
मुझसे खेल रही थी,
मुझे पसीना पोंछते देखकर पूछा –
"क्या तुमने भाषा को
सहूलियत से बरतना कभी नहीं सीखा ?"

(क) काव्यांश का भाव-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ख) काव्यांश के शिल्प-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए ।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *3×2=6*

(क) 'कविता के बहाने' कवि ने किन-किन से कविता का संबंध जोड़ा है और कैसे ?

(ख) लक्ष्मण मूर्च्छा पर राम के प्रलाप के आधार पर राम के भ्रातृप्रेम का वर्णन सोदाहरण कीजिए ।

(ग) उमाशंकर जोशी ने खेती के रूपक के बहाने कृषिकर्म और कविकर्म में समानता कैसे दर्शाई है ? स्पष्ट कीजिए ।

(घ) फिराक गोरखपुरी की पठित रुबाइयों के आधार पर कवि द्वारा चित्रित वात्सल्य के वर्णनों का सौंदर्य अपने शब्दों में चित्रित कीजिए ।

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×3=6*

रात्रि की विभीषिका को सिर्फ़ पहलवान की ढोलक ही ललकारकर चुनौती देती रहती थी । पहलवान संध्या से सुबह तक, चाहे जिस खयाल से ढोलक बजाता हो, किंतु गाँव के अर्द्धमृत, औषधि-उपचार-पथ्य-विहीन प्राणियों में वह संजीवनी शक्ति ही भरती थी । बूढ़े-बच्चे-जवानों की शक्तिहीन आँखों के आगे दंगल का दृश्य नाचने लगता था । स्पंदन-शक्ति-शून्य स्नायुओं में भी बिजली दौड़ जाती थी । अवश्य ही ढोलक की आवाज़ में न तो बुखार हटाने का कोई गुण था और न महामारी की सर्वनाश शक्ति को रोकने की शक्ति ही, पर इसमें संदेह नहीं कि मरते हुए प्राणियों को आँख मूँदते समय कोई तकलीफ़ नहीं होती थी, मृत्यु से वे डरते नहीं थे ।

(क) रात्रि की विभीषिका को पहलवान की ढोलक किस प्रकार चुनौती देती थी ?

(ख) 'अर्द्धमृत, औषधि-उपचार-पथ्य-विहीन प्राणियों' से आप क्या समझते हैं ? ढोलक से उनमें शक्ति कैसे आ जाती थी ?

(ग) ढोलक की आवाज का लोगों पर क्या-क्या प्रभाव पड़ता था ?

अथवा

'समता' का औचित्य यहीं पर समाप्त नहीं होता । इसका और भी आधार उपलब्ध है । एक राजनीतिज्ञ पुरुष का बहुत बड़ी जनसंख्या से पाला पड़ता है । अपनी जनता से व्यवहार करते समय, राजनीतिज्ञ के पास न तो इतना समय होता है न प्रत्येक के विषय में इतनी जानकारी ही होती है, जिससे वह सबकी अलग-अलग आवश्यकताओं और क्षमताओं के आधार पर वांछित व्यवहार अलग-अलग कर सके । वैसे भी आवश्यकताओं और क्षमताओं के आधार पर भिन्न व्यवहार कितना भी आवश्यक तथा औचित्यपूर्ण क्यों न हो 'मानवता' के दृष्टिकोण से समाज दो वर्गों व श्रेणियों में नहीं बाँटा जा सकता । ऐसी स्थिति में, राजनीतिज्ञ को अपने व्यवहार में एक व्यवहार्य सिद्धांत की आवश्यकता रहती है और यह व्यवहार्य सिद्धांत यही होता है, कि सब मनुष्यों के साथ समान व्यवहार किया जाए ।

(क) 'समता' से क्या अभिप्राय है ?

(ख) राजनीतिज्ञ की समस्या किस प्रकार की है ?

(ग) समाज को दो वर्गों में क्यों नहीं बाँटा जा सकता ? कारणों का उल्लेख कीजिए ।

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) भक्तिन के स्वभाव पर टिप्पणी कीजिए । *3*

(ख) बाज़ार के जादू से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए । *3*

(ग) 'पहलवान की ढोलक' के आधार पर साधनहीन ग्रामीणों के जीवन पर टिप्पणी कीजिए । *3*

(घ) चार्ली चैप्लिन क्यों प्रसिद्ध था ? स्पष्ट कीजिए । *1*

13. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** प्रश्न का उत्तर लिखिए : *4*

(क) 'जूझ' पाठ के आधार पर सौंदलगेकर के अध्यापन की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए बताइए कि लेखक के मन में कविता के प्रति रुचि कैसे जागृत हुई ।

(ख) मुअनजो-दड़ो की सभ्यता को एक सुसंस्कृत समाज बनाने में वहाँ की वास्तुकला का क्या योगदान था ? 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर स्पष्ट करते हुए विस्तृत विवरण दीजिए ।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *4×2=8*

(क) 'सिल्वर वेडिंग' कहानी के आधार पर यशोधर पंत का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में कीजिए ।

(ख) 'जूझ' नामक पाठ के आधार पर दत्ता जी राव के चरित्र की चार विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(ग) 'डायरी के पन्ने' पाठ में औरतों को बहादुर सिपाहियों से अधिक संघर्ष करने वाली क्यों बताया गया है ? कारणों का उल्लेख करते हुए स्पष्ट कीजिए ।

(घ) "टूटे-फूटे खंडहर सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ-साथ धड़कती ज़िंदगियों के अनछुए समयों के भी दस्तावेज होते हैं" – कथन की सोदाहरण पुष्टि 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर कीजिए ।